साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 | अंक : 27 | गोंदिया : गुरुवार, 10 से 16 फरवरी 2022 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

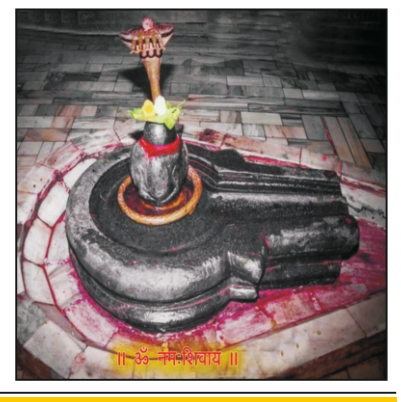

स्व. मनोहरभाई की विरासत जिले का विकास करना यही आजीवन मेरे जीवन का लक्ष्य - प्रफुल पटेल

११६वीं जयंती अवसर पर प्रतिभावान छात्रा-छात्राएं स्वर्णपदक से सम्मानित । उत्कृष्ट कार्य करनेवालों को भी किया गया पुरस्कृत

बुलंद गोंदिया - मेरे पिता स्वर्गीय मनोहरभाई पटेल के संपूर्ण जीवन के बारे में सभी जानते है। आज हम स्मृति विशेष दिवस के रुप में उनकी 116वीं जयंती मना रहे है। गोंदिया-भंडारा जैसे पिछड़े, अशिक्षित जिले को शिक्षा, सिंचन एवं विकास के मुहाने पर विकसित करने मनोहरभाई ने जो ध्येय रखे, संकल्प लिया आज उस संकल्प को हमनें साकार करने का भरपूर प्रयास किया और मेरा जीवन उनके आदर्शों पर चलकर व उनकी विरासत, उनके सपनों का ये क्षेत्र सुजलाम् सुफलाम् बनें यही मेरा उद्देश्य है। उक्त प्रतिपादन सांसद प्रफुल पटेल ने व्यक्त किया।

सांसद प्रफुल पटेल ने कहा, आर्थिक परिस्थितियों के चलते बाबूजी को शिक्षा का मलाल सदैव रहा। वे इस कमी को पूरा करने, क्षेत्र को शिक्षित, विकसित, सिंचित व रोजगारभिमुख देखना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने गोंदिया शिक्षण संस्था की नींव वर्ष 1958 में रखी। अनेक स्कूल-कॉलेज खोले गए और दोनों जिलों को शिक्षा क्षेत्र में आगे लाया।

आज हम उसी शिक्षण संस्था के माध्यम से उनके स्वप्नों को साकार करने पिछले 35 वर्षों से स्वर्णपदक समारोह आयोजित कर दोनों जिलों को शिक्षा क्षेत्र में आगे बढ़ा रहे है। आज इस संस्थान से, जिले से शिक्षित होनहार छात्र-छात्राएं देश और विदेश में आभा बिखेर रहे है। सच कहें तो बाबूजी को यहीं असली आदरांजलि है।

मेरा प्रयास है कि बाबूजी से मिलें आदर्श, उनके सिद्धांतो पर चलकर मैं दोनों जिलों को उस मुकाम पर ले जाऊं जहां से दोनों जिलों का नाम पूरी दुनिया में रोशन हो। पिछले 32 साल से संसद में प्रतिनिधित्व कर मैंने बाबूजी के आदर्शों पर अपने क्षेत्र सहित देश को ऊंचे मुकाम पर ले जाने हेतु अपनी भागीदारी निभायी। गोंदिया-भंडारा ये मेरी कर्मभूमि है, मेरे पिता के सपनों का क्षेत्र है। इसके चौमुखी विकास की जिम्मेदारी मेरे काँधों पर है, जिसे में निभाता रहूंगा।

उपस्थित अतिथियों द्वारा भी स्वर्गीय मनोहर भाई पटेल द्वारा गोंदिया भंडारा जिले के लिए अपने जीवन काल में किए गए उत्कृष्ट कार्य की जानकारी दी तथा शिक्षा के क्षेत्र में के साथ-साथ राजनीतिक क्षेत्र तथा संपूर्ण महाराष्ट्र में उनके कार्य की भी इस अवसर पर वरिष्ठ द्वारा जानकारी दी गई।

आज 9 फरवरी को स्व. मनोहरभाई पटेल जयंती समारोह एनएमडी कॉलेज के सभागृह में मनाया गया, जिसकी अध्यक्षता सांसद प्रफुल पटेल ने की। इस दौरान मान्यवर अतिथियों की उपस्थिति में पटेल के हस्ते जिले के मेधावी छात्र-छात्राओं को स्वर्णपदक देकर उन्हें सम्मानित किया गया।

समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध मोहिते, पूर्व सांसद डॉ.खुशालचंद्र बोपचे, पूर्व सांसद मधुकर कुकडे, पूर्व मंत्री बंडुभाट्ट सावरबांधे, विलास श्रृंगारपवार, विधायक अभिजित वंजारी, विनोद अग्रवाल, मनोहर चंद्रिकापूरे, राजू कारेमोरे, पूर्व विधायक दिलीप बनसोड, सेवक वाघाये, अनिल बावनकर, प्रदेश काँग्रेस महासचिव नामदेवराव किरसान, भंडारा जिल्हा मध्यवर्ती बैंक के अध्यक्ष सुनिल फुंडे, धनंजय दलाल, गंगाधर परशुरामकर, जयेश पटेल, अजय वडेरा आदी मान्यवर उपस्थित रहें।

कार्यक्रम का संचालन पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, नरेश माहेश्वरी ने किया। समारोह में मिल्ट्री स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत व राष्ट्रगीत प्रस्तुत किया गया।

<u>स्वर्णपदक से सम्मानित छात्र-छात्राओं</u>

गोंदिया जिले से 10 वीं में गुजराती नेशनल हायस्कूल, गोंदिया की त्रिशा महेशकुमार बिसेन, आस्था शिवप्रसाद राऊत व मॉडेल स्कूल आमगाव की आयुष विनयकुमार डोंगरे, 12वी में एस.एम. पटेल ज्युनियर कॉलेज गोंदिया की महर्षी रघुवंशमणी गुप्ता, बी.ए. में एम.बी.पटेल कॉलेज देवरी का जितेश सूरजलाल कोसरकर, बी.कॉम में एनएमडी कॉलेज गोंदिया की हितांशी रवींद्र गुप्ता, बी.एस.सी. में डीबी साईस कॉलेज गोंदिया की फिरदोश वकील शेख, बीई में एमआयईटी गोंदिया के शुभांशू माणिक आगरे को सम्मानित किया गया। भंडारा जिले में 10वीं में प्रावीण्यता प्राप्त हेसेन्थ लिटल फ्लॉवर हायस्कूल भंडारा की प्रणवी अशोक गायधनी, 12वीं नूतन गर्ल्स ज्युनियर कॉलेज भंडारा की प्रतीक्षा प्रमोद बेडपुरिया, बी.ए. में जे.एम. पटेल कॉलेज भंडारा के चेतक पुंडलिक डहारे, बी.कॉम में एस.एन. मोर.कॉलेज की आकांशा नरेंद्र चतुर्वेदी, बी.एससी. में जे.एम.पटेल कॉलेज भंडारा की रुचिता शालिकराम ढवळे, बी.ई. में मनोहरभाई पटेल इन्स्टिट्यूट ऑफ इंजिनीअरिंग एंड टेक्नॉलॉजी भंडारा के रजत सुरेश कुत्राहे को स्वर्णपदक से पदक से सम्मानित किया गया।

पीएम मोदी का लता दीदी से था भाई बहन का अटूट रिश्ता

बुलंद गोंदिया - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नमो ऐप पर एक ब्लॉग के जरिए लता मंगेशकर के साथ अपनी यादें साझा की हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपने गीतों से लाखों लोगों के दिलों पर राज किया। उनका जाना, संगीत के एक युग की समाप्ति है। मोदी ने कहा कि लता दी मुझे भाई मानती थीं और आज हमारी लता दीदी हमें छोड़कर चली गई।

प्रधानमंत्री और लता दी के बीच भाई-बहन की बॉन्डिंग थी। प्रधानमंत्री लता दी को उनके जन्मदिन पर कभी भी विश करना नहीं भूलते थे। वहीं लता दी भी प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी को रक्षाबंधन पर हर साल राखी भेजती थीं। मोदी ने बताया कि जब भी मैं उनसे मिलता था, तो मुझे उनके यहां गुजराती व्यंजन खाने को भी मिलता था। दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल के उद्घाटन पर लता दी ने नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने की कामना की थी।

<u>लता दी ने की थी पीएम बनने की कामना</u>

2013 में दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल के उद्घाटन के दौरान लता दी ने गुजरात के तत्कालीन सीएम नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने की कामना की थी। उन पलों को याद करने हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान लता दी ने कहा कि मैं प्रार्थना करती हूं, आप भारत के पीएम बनें। मोदी ने बताया कि लता दी ने पहली बार मुझे इसी कार्यक्रम में नरेंद्र भाई के नाम से संबोधित किया था।

<u>बर्थडे पर बातचीत के ऑडियो का जिक्र</u>

प्रधानमंत्री मोदी ने लता दी के 90वें जन्मदिन पर उनके साथ बातचीत का एक ऑडियो शेयर किया था। इसमें प्रधानमंत्री से बातचीत में लता दी कहती हैं कि देश की बदलती तस्वीर से मुझे खुशी मिलती है। आप इसी तरह निरंतर काम करते रहें। लता दी इस ऑडियो में प्रधानमंत्री की मां से भी आशीर्वाद लेने की बात कहती हैं।

<u>फिल्म इंडस्ट्री में आठ दशक का योगदान</u>

आठ दशक तक फिल्म इंडस्ट्री में संगीत के जरिए योगदान देने वाली लता दी को 2001 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाजा गया था। लता दी को इसके अलावा पद्म विभूषण, पद्म भूषण और दादा साहेब फाल्के सम्मान भी मिला है। लता दी को फिल्म लेकिन के लिए बेस्ट गायिका का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था।

माता से बिछड़ा शेर का शावक

बुलंद गोंदिया - गोरेगांव वन परीक्षेत्र अंतर्गत आने वाले संरक्षित टाइगर रिजर्व फॉरेस्ट से अपनी माता से बिछड़ा एक शेर का शावक 2 दिनों से भटक रहा है। शुक्रवार को दोपहर 4.00 बजे के करीब गोंदिया-चंद्रपुर रेलवे लाईन पारकर जंगल की ओर चला गया था। इसकी जानकारी वन विभाग को प्राप्त होते ही उसकी सुरक्षा को लेकर लगातार निगरानी की जा रही थी। माता से बिछड़ा शावक रात को रामाटोला गांव के समीप जंगल से लगे एक पोल्ट्री फॉर्म में देखा गया। जिसके पश्चात फॉरेस्ट टीम ने रेस्क्यू कर शावक को अपनी निगरानी में लिया है, तथा शेरनी की तलाश के लिए वन विभाग, वन्यजीव, एफडीसीएम व अन्य स्थानीय कर्मचारियों की कुल 10 टीमों का गठन कर तलाश की जा रही है। साथ ही वन परिक्षेत्र के अंतर्गत ट्रैक कैमरे लगाए गए हैं। यह संपूर्ण गतिविधियां राष्ट्रीय व्याघ्र संवर्धन प्राधिकरण नई दिल्ली एनटीसीपी द्वारा जारी किए गए मानकों के अनुसार की जा रही है। गोंदिया वन विभाग के उपवन संरक्षक कुलराज सिंह सहायक उपवन संरक्षक तेंदुआ कैंप आर.आर. सदगीर गोरेगांव के वन परीक्षेत्र अधिकारी पी.एल. साठवने, मानद वन्यजीव संरक्षक मुकुंद धुर्वे, सावन बहेकार की निगरानी में नन्हें शावक का पशु चिकित्सक अधिकारियों की टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच की गई तथा 4 माह का नन्ना शावक पूर्ण रुप से स्वस्थ व तंदुरुस्त है।

गोंदिया शहर की राष्ट्रीय महामार्गों की कनेक्टिविटी व निर्माण से बदलेंगी तस्वीर - विधायक विनोद अग्रवाल

५०० करोड़ के विकास कार्य प्रारंभ, शहर व ग्रामीण क्षेत्र में सड़को का निर्माण

बुलंद गोंदिया - बड़े शहरों की तर्ज पर अब गोंदिया शहर का विकास भी तेजगति से होता दिखाई दे रहा है। शहरी डेवलपमेंट प्लान के साथ ही शहर को आधुनिक शहर बनाने विधायक विनोद अग्रवाल उम्दा सोच के साथ आगे बढ़ रहे है। पिछले एक-दो वर्षों से केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से बार-बार मुलाकात कर गोंदिया को राष्ट्रीय महामार्गों से जोड़ने एवं सड़कों के निर्माण को लेकर बातचीत करते रहे हैं। जिस पर केंद्रीय मंत्री ने आश्वस्त कर गोंदिया को विकासात्मक दृष्टि से आगे बढाने की वचनपुर्ती की थी। आज उसी प्रयास का प्रतिफल है कि गोंदिया में करीब 500 करोड़ रुपए लागत के राष्ट्रीय महामार्ग निर्माण के विकास कार्यो की शुरुवात हो चुकी है। विधायक विनोद अग्रवाल ने बताया कि, हम गोंदिया को आधुनिक, औद्योगिक एवं सुजलाम् सुफलाम् सिटी बनाने का संकल्प रखते है। गोंदिया शहर राष्ट्रीय महामार्ग से जुड़े, नये उडानपूलों का निर्माण हो, शहर आधुनिकता की ओर बड़े यही मेरा प्रयास है। शहर में भूमिगत गटर योजना, भूमिगत विद्युतीकरण पर भी कार्य प्रशस्ति की ओर है। उन्होंने कहा, अब शहर में गोंदिया से तिरोडा राष्ट्रीय महामार्ग का सड़क सीमेंटीकरण निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। वहीं गोंदिया से आमगांव राष्ट्रीय महामार्ग का सड़क सीमेंटीकरण कार्य प्रारंभ हो गया है। इसके साथ ही बालाघाट टी-पॉइंट से कलेक्टर ऑफिस, सारस चौक एवं सारस चौक से कारंजा पुलिस मुख्यालय तक बायपास मार्ग का डामरीकरण कार्य भी प्रारंभ है। कलेक्टर ऑफिस, सारस चौक से फुलचुर होते हुए फुलचुर नाके तक रास्ता सीमेंटीकरण का कार्य भी प्रशस्ति के मार्ग पर है। रजेगांव से रावनवाड़ी मार्ग पर डामरीकरण पूर्णता की ओर है। वही रावनवाड़ी से गोंदिया मरारटोली टी-पॉइंट का कार्य भी जल्द पूर्ण होगा। इन कार्यो के अलावा ग्रामीण क्षेत्रो में नागरिकों की आवाजाही हेतु भी सड़को के निर्माण, दुरुस्ती हेतु कार्य पूरे विधानसभा क्षेत्र में किये जा रहे है। जल्द ही गोंदिया क्षेत्र सड़कों के मामलों पर गतिशील व फर्राटेदार होगा और राहगीरों को बड़ी राहत मिलेगी इस हेतु हम संकल्पित है।

संपादकिय

लता मंगेशकर

कुछ प्रतिभाएं बनती हैं और कुछ पैदा ही होती हैं।

कुछ प्रतिभाएं बनती हैं और कुछ पैदा ही होती हैं। वे जैसे संगीत के लिए ही पैदा हुई थीं। जीते-जी किंवदंती बन गई लता मंगेशकर ने जैसी ख्याति, लोकप्रियता और सम्मान पार्श्व संगीत के क्षेत्र में अर्जित किया था, वैसा शायद दुनिया में किसी ने नहीं किया। वे दुनिया भर में बहुत सारे लोगों के लिए प्रेरणा पुंज थीं। उनके व्यक्तित्व से सरस्वती की प्रतिमा उभरती थी। साधना तो सब करते हैं, पर वह उन्हीं में फलीभूत होती है, जिनकी प्रतिभा का आयतन विराट हो। संगीतकार पिता दीनानाथ मंगेशकर भी हैरान हुए थे, जब उन्होंने लता को पहली बार गुनगुनाते सुना।

वे किसी को संगीत सिखा रहे थे, लता ओट में खड़ी सुन रही थीं और फिर उस मुखड़े को गुनगुना दिया था। उसके बाद पिता ने उन्हें संगीत की शिक्षा दी। तेरह साल की उम्र में ही, जब पिता नहीं रहे और परिवार के भरण-पोषण की जिम्मेदारी कंधे पर आ गई तो लता मंगेशकर ने पार्श्व संगीत का रास्ता चुना और पहले ही गीत से अपनी पहचान छोड़नी शुरु कर दी। कुछ मराठी फिल्मों में अभिनय भी किया, पर वह रास्ता उनका नहीं था, उसे छोड़ दिया। पार्श्व संगीत में उनके स्वर का असर कुछ इस कदर हुआ कि उस जमाने का हर संगीत निर्देशक उनसे गवाने को आतुर हो उठा।

वे हर जमाने के हर संगीतकार की चहेती गायिका थीं। उनसे गीत गवा कर न सिर्फ संगीतकार गर्व का अनुभव करते थे, बल्कि जिन कलाकारों पर उनके गीत फिल्माए जाते, वे भी खुद को धन्य समझते थे। उनकी आवाज के रेशे इतने कोमल, मुलायम और चमकदार थे कि कोई भी गीत उनमें ढल कर जीवंत हो उठता था। यही वजह है कि तीस से अधिक भाषाओं में उन्होंने गीत गाए और हर भाषा में उनका वही असर बना रहा।

उनका उच्चारण और लहजा इतना साफ और सधा हुआ था कि उन्होंने चाहे संस्कृत में गाया या भोजपुरी में, गीत की आत्मा कहीं से भी खंडित नहीं होने पाई। बल्कि कई बार कमजोर गीत और संगीत भी उनके स्वर में ढल कर जीवन पा जाते थे। उन्होंने हर मिजाज के गीत गाए, शास्त्रीय जमीन पर तैयार गीत से लेकर चुलबुले और मजाकिया अंदाज वाले गीत तक। सबमें उनका एक नया रंग खिलता था। उनकी आवाज का ही जादू था कि उन्हें भारतीय कोकिला, स्वर साम्राज्ञी जैसे विशेषणों से नवाजा गया। दुनिया में शायद ही कोई मुल्क हो, जहां उनकी आवाज के दीवाने न मिल जाएं। करीब पचास साल तक मुंबई फिल्मी उद्योग में पार्श्व गायन के क्षेत्र में उन्हीं का साम्राज्य फैला रहा।

उनके नाम से कई कीर्तिमान दर्ज हैं, तो बहुत सारे सम्मान उनके नाम से जुड़कर खुद धन्य हुए। सबसे अधिक भाषाओं में और सबसे अधिक गीत गाने का कीर्तिमान उन्हीं के नाम दर्ज हुआ। वे पहली ऐसी गायिका थीं, जिनके जीते-जी उनके नाम से संगीत का पुरस्कार शुरु किया गया। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से उन्हें विभूषित किया गया। पुरस्कार और सम्मानों का आलम तो यह था कि हर कोई उन्हें पुरस्कृत कर गौरव का अनुभव करना चाहता था, पर उन्होंने कई साल पहले घोषित कर दिया था कि उन्हें पुरस्कार देने के बजाय नए कलाकारों को सम्मानित किया जाए। संगीत और संगीतकारों-कलाकारों के प्रति उनकी निष्ठा अटूट थी। इसीलिए उन्होंने समय-समय पर उनके हक की आवाज भी उठाई। संगीत के लिए रायल्टी का मुद्दा उन्होंने ही उठाया था। उनके जाने से ऐसा लगता है, जैसे सरस्वती अंतर्लीन हो गई हैं।

नौकरशाही में सुधार हो

देश के वर्कफोर्स में पब्लिक सेक्टर ऑफिसरों का अनुपात अभी महज 3.8 फीसदी है, जो ब्रिटेन (22.5 फीसदी), अमेरिका (13.5 फीसदी) और चीन (28 फीसदी) के मुकाबले बहुत कम है। देश के सबसे बड़े राज्य यूपी की बात करें तो वहां प्रति दस हजार की आबादी पर सरकारी कर्मचारियों की संख्या मात्र 80 बैठती है, जबकि अमेरिका के किसी भी राज्य में यह अनुपात 200 से कम नहीं है।

आईएएस ऑफिसरों के डेप्युटेशन से जुड़े प्रावधानों में प्रस्तावित संशोधन को लेकर केंद्र और राज्य सरकारें एक बार फिर आमने-सामने हैं। केंद्र सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनेल एंड ट्रेनिंग की तरफ से तमाम राज्यों के मुख्य सचिवों को आईएएस (कैडर) रुल्स 1954 में संशोधन का जो प्रस्ताव भेजा गया है, उसके मुताबिक केंद्र सरकार जिस ऑफिसर की सेवा डेप्युटेशन के तहत लेना चाहेगी, उसे निश्चित समयावधि के अंदर रिलीव करना होगा। चाहे संबंधित राज्य सरकार इससे सहमत हो या असहमत।

केंद्र का कहना है कि, इस कदम के पीछे ऑफिसरों की कमी की समस्या है, जिसका कारण यह है कि राज्य सरकारें पर्याप्त संख्या में ऑफिसरों को डेप्युटेशन पर भेजने को तैयार नहीं होतीं। दूसरी तरफ विभिन्न राज्य सरकारें प्रस्तावित संशोधन का यह कहते हुए विरोध कर रही हैं कि इससे नौकरशाही पर केंद्र का पूरा नियंत्रण स्थापित हो जाएगा और उनके लिए अपनी योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन करवाना कठिन। इसे देश के संघात्मक ढांचे के भी विपरीत बताया जा रहा है।

मामले की गंभीरता इससे समझी जा सकती है कि प्रस्ताव का विरोध कर रहे राज्यों में केवल विपक्षी पार्टियों से शासित सरकारें ही नहीं हैं। मध्य प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों ने भी इस प्रस्तावित संशोधन से असहमति जताई है, जहां बीजेपी या उसकी गठबंधन सरकार है। बहरहाल, टकराव से कुछ हासिल नहीं होगा। दोनों पक्षों के लिए यह समझने की जरुरत है कि समस्या के मूल में दो मुद्दे हैं- ऑफिसरों की कमी और सरकारों विभागों की बहुलता। इसलिए सबसे पहले तो यूपीएससी के जरिए नियुक्त होने वाले ऑफिसरों की संख्या बढ़ाने पर ध्यान देने की जरुरत है।

वैसे भी देश के वर्कफोर्स में पब्लिक सेक्टर ऑफिसरों का अनुपात अभी महज 3.8 फीसदी है, जो ब्रिटेन (22.5 फीसदी), अमेरिका (13.5 फीसदी) और चीन (28 फीसदी) के मुकाबले बहुत कम है। देश के सबसे बड़े राज्य यूपी की बात करें तो वहां प्रति दस हजार की आबादी पर सरकारी कर्मचारियों की संख्या मात्र 80 बैठती है, जबकि अमेरिका के किसी भी राज्य में यह अनुपात 200 से कम नहीं है। दूसरी बात यह कि नौकरशाही के काम की स्थितियां आसान बनाने और उसे अनावश्यक राजनीतिक दखलंदाजी से बचाने वाले सुधारों की रयतार को तेज करने के भी उपाय करने होंगे। तभी कॉरपोरेट, रिसर्च और ऐकडेमिक्स क्षेत्रों से टैलंट्स को इस तरफ आकृष्ट किया जा सकेगा।

इसके अलावा सरकारों के लगातार फैलते आकार पर भी रोक लगाने की जरुरत है। कल्याणकारी योजनाओं पर प्रभावी अमल सुनिश्चित करना जरुरी है, लेकिन इसके नाम पर सरकारी तंत्र का लगातार विस्तार करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उदाहरण के लिए, आंध्र प्रदेश में साल 2020 में ही 56 पिछड़ा वर्ग निगम बना दिए गए। ऐसा पॉप्युलिस्ट रवैया समस्या को और जटिल बनाता है।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : किसी खानदानी विरासत के मिलने में समय लग सकता है, इसलिए खुद पर नियंत्रण रखें। प्रेम संबंधों के लिए समय थोड़ा कठिन चल रहा है। नवविवाहित जोड़े एक-दूसरे के साथ समय बिताकर अच्छा महसूस करेंगे। यात्रओं के योग बन रहे हैं। मनपसंद जगह घूमने का मौका मिल सकता है।

वृषभ : समाज में आपके द्वारा किए गए प्रयासों की सभी सराहना करेंगे जिसके चलते आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी और पहचान मिलेगी। सैलरी में बढ़ोतरी के आपके अनुरोध को सहानुभूति के सुना जा सकता है। किसी को उधार दिया हुआ पैसा तुरंत वापस मिल जाएगा। पुराने दोस्तों से मिलकर और पुरानी यादें ताजा होंगी।

मिथुन : किसी विशेष व्यक्ति से विदेश जाकर मिलने की इच्छा जल्दी ही पूरी होने की संभावना है। इस सप्ताह आप में से कुछ लोग प्रोफेशनली खुद को बेड़ियों में जकड़ा हुआ और असहाय महसूस कर सकते हैं। किसी लोन को पास कराने में आ रहीं समस्याओं के चलते लोन का विचार छोड़ने की सोच सकते हैं। विवेकपूर्ण तरीकों से खर्च करने की आवश्यकता है।

कर्क : कार्यक्षेत्र पर अपने अधिकारों को बांटना काम करने का सही तरीका साबित होगा जिसके चलते आप पर काम का बोझ कुछ कम होगा। इस सप्ताह खुशखबरी आपका इंतजार कर रही है। शेयर मार्केट में खोया हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है। सरप्राइज गिफ्ट और कैंडल लाइट डिनर से अपने साथी को प्रभावित करेंगे।

सिंह : धन संबंधित मामलों के लिए समय अनुकूल चल रहा है, जल्द ही कोई आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। घर के कामों में मदद करने के आपके स्वभाव की सभी तारीफ करेंगे। अपनी पसंदीदा चीजों पर खर्चा करना संतोषजनक साबित होगा। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम अधिकांश शारीरिक बीमारियों को दूर रखने में मददगार साबित होगा।

कन्या : इस सप्ताह धन संबंधित चली आ रही समस्या को सुलझने के लिए समय देने की आवश्यकता होगी। थकान के चलते सुस्ती महसूस कर सकते हैं। आपका साथी इस सप्ताह कुछ समय अकेले रहना चाहते हैं, इसलिए उसकी भावनाओं का सम्मान करें। पढ़ाई में आपसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है।

तुला : यात्रओं पर जाने के योग बन रहे हैं। शहर से बाहर परिवार के साथ किसी यात्र पर जाना मजेदार साबित होगा। कुछ खास हासिल करने का लक्ष्य रखने वालों को कोई नहीं रोक सकता। रोमांस के लिए ये सप्ताह संतोषजनक साबित होगा। अपने साथी के कैंडल लाइट डिनर पर जाकर रोमांचित महसूस करेंगे।

वृश्चिक : कार्यक्षेत्र पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते उच्च अधिकारियों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने में कामयाब होंगे। किसी सामाजिक काम के लिए पैसों का इंतजाम करने में मेहनत करनी पड़ सकती है। प्रॉपर्टी विवाद की संभावना है, इसलिए बेहतर होगा कि आप समय रहते ही इस समस्या का सौहार्दपूर्ण तरीके से समाधान ढूंढने की कोशिश करें।

धनु : धनलाभ के योग बन रहे हैं। कुछ समय पहले शुरु किए गए किसी व्यवसाय से लाभ मिलने की संभावना है। आप किसी ऐसे व्यक्ति का सही मार्गदर्शन करने में सफल होंगे, जो आप पर पूरा विश्वास कर रहा है। किसी पार्टी या समारोह के निमंत्रण से आपको लोगों से मिलने और अपने व्यावसायिक हितों को आगे बढ़ाने का अवसर मिल सकता है।

मकर : इस सप्ताह समाज में आपकी लोकप्रियता काफी बढ़ सकती है। करियर के लिए यह सप्ताह काफी उत्कृष्ट साबित होगा। करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलने की संभावना है। एक-दूसरे के साथ समय बिताने से साथी के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। इस सप्ताह आपके शुभचिंतक आपका सहयोग करेंगे।

कुंभ : यात्रओं से अच्छा व्यापार मिलने की संभावना है। इस सप्ताह आर्थिक रुप से आप खुद को बेहतर स्थिति में पाएंगे। अपने किसी ड्रीम प्रोजेक्ट में निवेश करने की योजना बना सकते हैं। घर का माहौल शांत और खुशनुमा रहेगा। दोस्तों और करीबियों के आपके घर आने से घर की रौनक बढ़ेगी। प्रेम संबंधों को लेकर ये सप्ताह संतोषजनक रहेगा।

मीन : प्रेम संबंधों के लिए समय अनुकूल चल रहा है, अपने साथी के साथ समय बिताना और गिफ्ट देना संतोषजनक साबित होगा। विदेश यात्र पर जाना मजेदार साबित होगा। रियल स्टेट से जुड़े लोग किसी अच्छी डील को करने में कामयाब होंगे। घर पर कुछ बदलावों के करने के आपके सुझव का सभी लोग स्वागत करेंगे।

संगीत जगत की माँ सरस्वती सुर सम्राज्ञी लता मंगेशकर का महाप्रायाण

स्मृति-शेष

लता मंगेशकर ऐसी प्रख्यात गायिका जिनकी पूरे विश्व में एक अलग पहचान थी। दीदी के कंठ से निकली हुई आवाज लोगों के दिलों को छू जाती है। ऐसी प्रख्यात गायिका जिनकी पूरे विश्व में एक अलग पहचान थी। दीदी हमेशा से मुस्कराहट का परिधान पहने रखती थीं। लता दीदी का संगीत के प्रति अद्वितीय समर्पण था। उनकी मधुर आवाज पूरी दुनिया को ईश्वर की तरफ से एक अनमोल तोहफा थी। कई दशकों तक उन्होंने अपनी मधुर वाणी से भारतीय संगीत को संवारा और एक नई दिशा दी। दीदी ने भारतीय संगीत को बुलंदियों तक पहुंचाया और न जाने कितने लोगों ने दीदी को अपनी प्रेरणा बनाकर भारतीय संगीत में ऊंचाईओं को छुआ है। लता दीदी का व्यक्तित्व हिमालय के समान विराट था। लता जी जीवन में इतनी ऊंचाई पर पहुंचकर भी स्वभाव से कितनी विनम्र, सौम्य और सरल थीं। वे देश और समाज के लिये बहुत चिंतित रहती थी।

लता दीदी का जन्म मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में पंडित दीनानाथ मंगेशकर के मध्यवर्गीय परिवार में 28 सितम्बर 1929 को सबसे बड़ी बेटी के रुप में हुआ। हालाँकि लता का जन्म इंदौर में हुआ था लेकिन उनकी परवरिश महाराष्ट्र मे हुई। वह बचपन से ही गायक बनना चाहती थीं। उनके पिता रंगमंच कलाकार और गायक थे। इनके परिवार में भाई हृदयनाथ मंगेशकर और बहनों उषा मंगेशकर, मीना मंगेशकर और आशा भोंसले सभी ने संगीत को ही अपनी पहचान बनाया।

वर्ष 1942 में लताजी के पिताजी का देहांत हो गया, उस समय उनकी आयु मात्र तेरह साल थी। सभी भाई-बहिनों में सबसे बड़ी होने के कारण परिवार की जिम्मेदारी का बोझ भी लता दीदी के कंधों पर आ गया था। दूसरी ओर उन्हें अपने करियर की तलाश भी थी। जिस समय लताजी ने (1948) में पार्श्वगायिकी में कदम रखा तब इस क्षेत्र में नूरजहां, अमीरबाई, शमशाद बेगम और राजकुमारी आदि का बोलबाला था। ऐसे में इतने दिग्गज गायकों के बीच उनके लिए अपनी पहचान बनाना इतना आसान नही था। पिता के देहान्त के बाद लता दीदी को पैसों की तंगी झेलनी पड़ी और उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। उन्हें अभिनय बहुत पसंद नहीं था लेकिन पिता की असामयिक देहान्त के कारण परिवार को सहारा देने के लिये उन्हें कुछ हिन्दी और मराठी फिल्मों में काम करना पड़ा। अभिनेत्री के रुप में लता दीदी की पहली फिल्म पाहिली मंगलागौर (1942) रही, जिसमें उन्होंने स्नेहप्रभा प्रधान की छोटी बहन की भूमिका निभाई। बाद में उन्होंने कई फिल्मों में अभिनय किया जिनमें, माझे बाल, चिमुकला संसार (1943), गजभाऊ (1944), बड़ी माँ (1945), जीवन यात्रा (1946), माँद (1948), छत्रपति शिवाजी (1952) शामिल थी।

लता मंगेशकर जी को व्यापक रुप से भारत में सबसे महान और सबसे प्रभावशाली गायिकाओं में से एक माना जाता है। लता मंगेशकर जी की लोकप्रियता लगभग सात दशकों के करियर में भारतीय संगीत उद्योग में उनके योगदान ने उन्हें द नाइटिंगेल ऑफ इंडिया और क्वीन ऑफ मेलोडी जैसी सम्मानित उपाधियाँ प्राप्त कीं।

लता दीदी ने छत्तीस से अधिक भारतीय भाषाओं और कुछ विदेशी भाषाओं में 30000 से ज्यादा गाने रिकॉर्ड किए थे। हालांकि लता जी ने सबसे अधिक गीत मुख्य रुप से हिंदी और मराठी में गाये हैं। लता जी को अपने पूरे करियर में कई सम्मान और पुरस्कार मिले। 1969 में भारत सरकार द्वारा लता दीदी को देश के तीसरे सर्वोच्च सम्मान पदम भूषण से सम्मानित किया गया। 1989 में भारत सरकार द्वारा उन्हें दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया गया। लता दीदी को 1997 में महाराष्ट्र भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। 1999 में दीदी को देश के दूसरे सर्वोच्च सम्मान पदम विभूषण से सम्मानित किया गया। 2001 में राष्ट्र में उनके योगदान के सम्मान में, उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था और यह सम्मान प्राप्त करने के लिए एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी के बाद केवल दूसरी महिला गायिका हैं। फ्रांस ने उन्हें 2007 में अपने सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, ऑफिसर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर से सम्मानित किया।

लता दीदी ने 3 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, 15 बंगाल फिल्म पत्रकार संघ पुरस्कार, 4 फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायक पुरस्कार, 2 फिल्मफेयर विशेष पुरस्कार, फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार सहित कई पुरस्कार प्राप्त किये हैं। 1974 में, वह लंदन के रॉयल अल्बर्ट हॉल में प्रदर्शन करने वाली पहली भारतीय बनीं।

लता मंगेशकर जी ने 27 जनवरी, 1963 को कवि प्रदीप का लिखा देशभक्ति गीत- ऐ मेरे वतन के लोगों... गाया था। सामने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पण्डित जवाहरलाल नेहरु बैठे थे। लता की आवाज में इतनी टीस थी कि नेहरु के आंसू छलक आए। बाद में नेहरु जी ने लता दीदी को गले लगाकर शाबासी दी। लता दीदी के प्रथम प्रधानमंत्री पण्डित जवाहरलाल नेहरु जी के साथ-साथ देश के अन्य प्रधानमंत्री- स्व.लाल बहादुर शास्त्री जी, इन्दिरा गांधी जी, मोरारजी देसाई जी, अटल बिहारी वाजपेयी जी सहित कई अन्य पूर्व प्रधानमंत्री भी प्रशंसक रहे हैं। देश के मौजूदा वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी लता दीदी के प्रशंसकों में प्रमुख रुप से शामिल हैं।

लता मंगेशकर जी का 6 फरवरी 2022 को सुबह 8.12 बजे मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। आने वाली पीढ़ियां लता दीदी का भारतीय संस्कृति की एक दिग्गज हस्ती के रुप में विस्मरण करेगी। लता दीदी की सुरीली आवाज में लोगों को मंत्रमुग्ध करने की अद्वितीय क्षमता थी। उनका अवसान भारत देश के लिए अपूरणीय क्षति है। लता दीदी के जाने से संगीत जगत में जो शून्य उत्पन्न हुआ है, उसे भर पाना असंभव है। अद्वितीय पार्श्वगायिका, भारत रत्न, सबकी चहेती और हिन्दुस्तान के संगीत जगत की माँ सरस्वती सुर सम्राज्ञी लता मंगेशकर जी का दु:खद निधन भारतीय संगीत के एक युग का अवसान है। लता दीदी ने कई दशकों तक अपने संगीत से विश्व के करोड़ों लोगों के हृदय को भाव-विभोर किया। आज बेशक लता दीदी हमारे बीच में नहीं हैं लेकिन उनका संगीत हमेशा अमर रहेगा और दुनिया के अंत तक जनमानस के मन को भाव-विभोर करता रहेगा। ईश्वर पुण्यात्मा को निजधाम में स्थान दें, उनके स्वजनों व करोड़ों प्रशंसकों को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। आज घर-घर की प्रिय आवाज लता दीदी के जाने से उनके गाने की ही कुछ पंक्तिया याद आती हैं-

ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आँख में भर लो पानी...
ओम शान्ति...

- ब्रम्हानंद राजपूत

साई दरबार में भक्तों ने चढ़ाए ५००-१००० के पुराने नोट

बुलंद गोंदिया - शिरडी का साई संस्थान इन दिनों एक अनूठी परेशानी से जूझ रहा है। नोटबंदी को पांच साल से ज्यादा का समय बीत चुका है, इसके बावजूद दान की हुंडियों (डोनेशन बॉक्स) में पुराने नोटों के आने का सिलसिला जारी है। लगातार बढ़ती संख्या के कारण साई संस्थान की मुश्किल बढ़ती जा रही है। बता दें कि साई संस्थान ने इसके लिए केंद्रस्तर पर कई बार प्रयास किए हैं, लेकिन अभी तक इसका समाधान नहीं हो पाया है। देश में 8 नवंबर 2016 को नोटबंदी का ऐलान किया गया था। इसके बाद 31 दिसंबर 2016 तक 500 और 1000 रुपए के नोटों को बैंकों में बदलने का मौका दिया गया था। साई संस्थान के मुताबिक, उनके पास पुराने 500 और 1000 के तकरीबन 3 करोड़ रुपए मूल्य की करेंसी जमा हो चुकी है। खास यह है कि पुराने नोट को अपने पास रखना और उसका इस्तेमाल करना कानूनी रुप से जुर्म बन चुका है। यही वजह है कि साई संस्थान लगातार इस बात से परेशान है कि इतने ज्यादा पुराने नोटों का क्या किया जाए।

पुराने नोटों के डोनेशन बॉक्स में डालने का चलन बढ़ा

संस्थान की सीईओ भाग्यश्री बनायत ने बताया, भक्त हुंडियों में जो दान डालते हैं, उसकी गिनती सप्ताह में एक बार की जाती है। जब से नोटबंदी हुई है, तब से हमारे डोनेशन बॉक्स में पुराने नोटों को डालने का चलन बढ़ गया है। हम वैसे नोटों को जमा कर साइड में रख रहे हैं। इसको लेकर हम लगातार केंद्रीय वित्त मंत्रालय, केंद्रीय गृह मंत्रालय और आरबीआई से लगातार संपर्क में हैं। साई संस्थान सप्ताह में एक बार दान में चढ़ाए गए पैसों की गिनती करता है।

आरबीआई मदद के लिए हुआ तैयार

भाग्यश्री बनायत ने आगे कहा, पिछले सप्ताह गृह मंत्रालय ने हमें पॉजिटिव रिस्पांस देते हुए बताया कि इस संबंध में आरबीआई हमारी मदद करेगा। इसके बाद हम आरबीआई से लगातार संपर्क में है और हम आशा करते हैं कि जल्द ही वह हमें कोई उपाय बताएगा। भक्तों ने जो भी अपनी श्रद्धा से डाला है वह उन्हीं के उपयोग में आएगा।

लोगों की भलाई में इस्तेमाल होंगे यह पैसे

भाग्यश्री बनायत ने बताया कि नोट बंदी के ठीक बाद यानी 31 दिसंबर 2016 तक दान पेटियों को हर दिन खोला जाता था और दान में चढ़ाए पैसों को बैंकों में जमा करवाया जाता था। 31 दिसंबर के बाद बैंकों ने पुराने नोटों को लेने से मना कर दिया। यह संस्थान के पैसे हैं और इसका इस्तेमाल आम लोगों की भलाई के लिए किया जाना चाहिए। ऐसे में हम चाहते हैं कि इसका समाधान जल्द से जल्द किया जाए।

शिक्षकों को सौंपा आवास योजना जांच का कार्य

गोंदिया पंचायत समिति का अफलातून निर्णय प्राथमिक शिक्षक संघ ने किया बहिष्कार

बुलंद गोंदिया - गोंदिया पंचायत समिति के अंतर्गत आवास योजना के निर्माण कार्य में हुए भ्रष्टाचार के निर्माण कार्य की स्थिति का निरीक्षण करने के लिए गोंदिया पंचायत समिति के गट विकास अधिकारी द्वारा शिक्षकों की नियुक्ति की है। उनके अफलातून निर्णय दिए जाने के चलते प्राथमिक शिक्षकों द्वारा इसका विरोध किया है, तथा प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा गट विकास अधिकारी के निर्णय का विरोध कर जांच प्रशिक्षण का बहिष्कार किया।

गौरतलब है कि गत डेढ़ से 2 वर्षों से कोरोना संक्रमण के चलते स्कूले बंद है। जिसमें विद्यार्थियों का शिक्षा का भारी नुकसान हो रहा है। किंतु अब कोरोना संक्रमण का असर कम होने लगा है। जिसके चलते स्कूले शुरु करने की मांग निरंतर शिक्षकों द्वारा की जा रही है। लेकिन इस पर प्रशासन द्वारा मौन धारण किया गया है। साथ ही शिक्षकों को अध्यापन के अतिरिक्त अन्य कार्य न दिया जाए ऐसा आदेश होने के बावजूद अधिकारियों द्वारा उन्हें अन्य कार्यों पर लगाया जाता है। तथा शिक्षकों से 16 प्रकार के अन्य कार्य करवाए जाते हैं। अब गोंदिया पंचायत समिति के विकास अधिकारी दिलीप खटोले द्वारा गोंदिया तहसील के अंतर्गत 20 नवंबर 2021 से 31 मार्च 2022 के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मंजूर आवास योजना के निर्माण कार्य की जांच करने के लिए तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों के केंद्र प्रमुख, मुख्याध्यापक व सहायक शिक्षकों की नियुक्ति की है। जिसके लिए 9 फरवरी को पंचायत समिति सभागार में शिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कटरे के नेतृत्व में इस निर्णय का विरोध किया गया तथा स्कूलों को शुरु कर शिक्षकों को अध्यापन का कार्य दिया जाए व अन्य काम में शिक्षकों को न लगाया जाए, ऐसी मांग की गई। शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण व जांच के कार्यो का सर्वसम्मति से बहिष्कार किया।

इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कटरे, केदार गोटेफोडे, योगानंद पटले, सचिव, केंद्र प्रमुख, ए.एस. ब्राम्हणकर, के.डी. शहारे, फ.मो. रिनाईत, एल. सी. कटरे, मनोजकुमार रोकडे, डी.आर. वैद्य, उमा गजभिये, धनवंती टिकापाचे, ए.एल. वालदे, आय.डी. भगत, ए.बी. शंकराचार्य, वंदना गौर, लक्ष्मण मरकाम, आर.एम. गोस्वामी, ए.बी. रहांगडाले, एस.एस. बिसेन, टी.एन. सोनेवाने, सी.के. वैद्य, डी.सी. रहांगडाले, एच.एस. धवरे, एस.ए. पराटकर, वी.आर. मडावी, डी.बी. ठाकरे, बी.पी. बिसेन सहित तहसील शेकडो शिक्षक मौजूद थे।

इम्पेरिकल डाटा अपडेट नहीं किया गया तो ओबीसी रिजर्वेशन खतरे में

विधान परिषद सदस्य डॉ.फुके ने किया ट्वीट

बुलंद गोंदिया - महाविकास आघाडी सरकार द्वारा ओबीसी प्रवर्ग के राजकीय आरक्षण के लिए आवश्यक इम्पेरिकल डेटा अपडेट नहीं किया गया तो ओबीसी आरक्षण खतरे में पड़ सकता है। इसलिए सरकार को इस महत्वपूर्ण विषय की ओर अनदेखी नहीं करनी चाहिए। क्योकि यह एक अवसर है, जिसे नियोजनपूर्वक इस्तेमाल कर ओबीसी प्रवर्ग को राजकीय आरक्षण दिला सकती है। यह बात विधान परिषद सदस्य तथा भाजपा नेता डॉ. परिणय फुके ने ट्विटर के माध्यम से कहीं है।

उन्होंने कहा है कि इंपीरिकल डेटा अपडेट करने संबंधी भाजपा नेताओं द्वारा बार-बार बताए जाने के बावजूद महाविकास आघाड़ी सरकार इस ओर गंभीरता से ध्यान न देते हुए हमेशा की तरह केंद्र सरकार की ओर अंगुली दिखा रही हैं। जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने डेटा एकत्रित करने का आदेश दिया। जिसके के बाद अब आरक्षण के लिए नियुक्त पिछड़ा वर्ग आयोग ने अपनी रिपोर्ट तैयार कर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को सौंप दी है।

सर्वोच्च न्यायालय ने आरक्षण के मुद्दे पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार इस रिपोर्ट का उपयोग कर जल्द से जल्द कार्रवाई करें। सुनवाई में आयोग के द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट निर्णायक साबित हो सकती है। हमारी राज्य सरकार से यही अपेक्षा है कि वह इस कार्य को गंभीरता से कर राज्य में ओबीसी का राजकीय आरक्षण सुनिश्चित करें। उक्ताशय का कथन विधायक एवं भाजपा नेता परिणय फुके ने ट्विटर पर जारी अपने वक्तव्य में किया है।

पत्रकार भवन के लिए दी जाए भूमि

सभी संगठनों के प्रतिनिधि शिष्टमंडल ने दिया ज्ञापन

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले के पत्रकार संगठनों के लिए निर्माण किए जाने वाले भवन के लिए नगर परिषद द्वारा भूमि दिए जाने की मांग का ज्ञापन 8 फरवरी को सभी संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा नगर परिषद के नगराध्यक्ष अशोक इंगले व मुख्याधिकारी को देकर की है। गौरतलब है कि गोंदिया नगर परिषद की 27 जनवरी 2022 को आयोजित आम सभा में गोंदिया के एक विशिष्ट पत्रकार संघ की मांग का उल्लेख करते हुए पुराने बस स्टॉप परिसर की कृषि उत्पन्न बाजार समिति के समीप की भूमापन गट क्रमांक 616 जिसका एरिया 0.20 हेक्टर (200) मीटर पार्किंग के लिए आरक्षित है। उपरोक्त जगह में से 5000 चौरस फुट जगह पत्रकार भवन के निर्माण के लिए प्रस्ताव लिया है। विशेष यह है की पत्रकार भवन के निर्माण की मांग भी अन्य पत्रकार संघ द्वारा की गई है। किंतु उपरोक्त सभा में उस पर विचार भी नहीं किया गया है। जिसके चलते गोंदिया जिले के अन्य पत्रकार संघ पर अन्याय हुआ है। जिसके लिए गोंदिया नगर परिषद प्रशासन द्वारा गोंदिया शहर में कार्यरत अन्य पत्रकार संघो का विचार करते हुए उपरोक्त भूमि देने का विचार किया जाए तथा राज्य शासन के नियम में आने वाले पत्रकार संघ को प्राथमिकता क्रम दिया जाए। इस संदर्भ का निवेदन 8 फरवरी को नगर परिषद सभागृह में आयोजित आमसभा में नगराध्यक्ष अशोक इंगले, मुख्याधिकारी करण चौहान, उपाध्यक्ष शिव शर्मा को दिया गया। इस अवसर पर सभी संघों की इस मांग पर सकारात्मक विचार कर सभी सदस्यों की सहमति से सभी संघों को भूमि उपलब्ध कराने का आश्वासन नगराध्यक्ष अशोक इंगले द्वारा दिया गया।

इस अवसर पर श्रमिक पत्रकार संघ के अध्यक्ष हाजी अलताफ शेख, सचिव संजय राऊत, जिला श्रमिक पत्रकार संघ के अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल, प्रकाश तिडके, मराठी पत्रकार संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र जैसवाल, खेमेन्द्र कटरे, रवि सपाटे, सावन डोये, मुकेश मिश्रा, नवीन अग्रवाल, महेन्द्र माने, हरिश मोटघरे, आकाश वालदे, राजेश बंसोड, विष्णू शर्मा, मुनेश्वर कुकडे, सुनिल कावडे, महेन्द्र बिसेन, देवेन्द्र बिसेन, राज डहाट, दिलीप लिल्हारे आदी पत्रकार उपस्थित थे।

रमाबाई आंबेडकर का किया अभिवादन

बुलंद गोंदिया - माता रमाबाई आंबेडकर (रमाई) जयंती 7 फरवरी को विश्व भूषण भारत रत्न परमपूज्य डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती उत्सव समिति 2022 द्वारा शासकीय विश्राम गृह में मनाई गई।

इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों द्वारा रमाबाई आंबेडकर की फोटो को माल्यार्पण कर, दीप प्रज्वलित कर व बुद्ध वंदना कर माता रमाबाई को अभिवादन किया गया। इस अवसर पर विशेष रुप से तितिक्षा नरेंद्र सतदेवें छोटी रमाई की वेशभूषा में उपस्थित थी। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र वैद्य, महासचिव नागरत्न बंसोड़, रतन वासनिक, श्याम चौरे, विलास राऊत, अमित भालेराव, कृष्णा कठाने, अमर राहुल, धीरज मेश्राम, प्रफुल भालेराव, लक्ष्मीकांत दहाट, अनिल डोंगरे, प्रतीक बंसोड़, जितेंद्र सती सेवक, भूपेंद्र वैद्य, सुनील चाहंदे, उत्सव समिति के पदाधिकारी व अन्य समाजबंधु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नाबालिका से लैंगिक छल करनेवाले आरोपी को १ वर्ष का सश्रम कारावास

बुलंद गोंदिया - तिरोडा तहसील के ग्राम पिंडकेपार निवासी आरोपी रामेश्वर उर्फ रामू सुखदेव राऊत (25) को 17 वर्षीय नाबालिग को प्रेम जाल में फंसा कर उसे भगाकर ले जाने व उसके साथ लैंगिक छल करने के आरोप में दोषी करार देते हुए 8 फरवरी को प्रमुख जिला व सत्र न्यायाधीश तथा विशेष सत्र न्यायधीश एस.ए.ए.आर. ओटी द्वारा विभिन्न धाराओं के अंतर्गत 1 वर्ष का सश्रम कारावास व 900 जुर्माने की सजा सुनाई।

प्रकरण इस प्रकार है कि 8 मार्च 2014 को 17 वर्षीय नाबालिका अपनी सहेली के साथ भूगोल विषय का पेपर देने सिद्धार्थ हाईस्कूल ठाणेगांव गई थी। पेपर छुटने के पश्चात आरोपी रामेश्वर राऊत द्वारा उसे प्रेम का झांसा देकर अपने साथ कालीपीली टैक्सी से तिरोड़ा, गोंदिया व छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ ले गया तथा पीड़िता से पुराने प्रेम संबंध के चलते आरोपी ने गलत फायदा उठाते हुए उसे बल्लरशाह लेकर गया व उसके साथ लैंगिक छल किया।

इस मामले में पीड़िता की माता ने आरोपी द्वारा उसकी बेटी को भगाकर ले जाने के मामले में तिरोड़ा थाने में 10 मार्च 2014 को शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर बल्लारशाह से दोनों को पकड़कर तिरोड़ा थाने में उपस्थित किया था। इस मामले में एसडीपीओ दीपक गिरेहे व अजीत कुंभार ने मामले की जांच कर न्यायालय में चार्जशीट पेश की थी।

जिस पर विशेष सरकारी वकील एड्. कृष्णा डी. पारधी द्वारा कर न्यायालय में 11 गवाह पेश किए तथा चिकित्सा अहवाल व मामले की स्थिति को देखते हुए प्रमुख जिला व सत्र न्यायाधीश तथा विशेष सत्र न्यायाधीश एस.ए.ए.आर. ओटी द्वारा आरोपी को धारा 354, 363, 366 के तहत प्रत्येक में एक 1 वर्ष का सश्रम कारावास व विभिन्न धाराओं के तहत 900 रु. जुर्माने की सजा सुनाई।

उपरोक्त मामले में पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के मार्गदर्शन में पैरवी अधिकारी पुलिस सिपाही शंकर साठवने व महिला पुलिस सिपाही सुनीता लिल्हारे न्यायालयीन कार्य देखा।

एड्. वीरेंद्र जायस्वाल द्वारा लिखित पुस्तक माँ रमा का विमोचन समारोह सम्पन्न

माँ रमा त्याग की प्रतिमूर्ति थी - राजेंद्र जैन । माँ रमा की जयंती पर उन्हें याद करना ही सच्ची श्रद्धांजलि - सुनील भरने

बुलंद गोंदिया - दैनिक कशिश सभागृह में मां रमा की जयंती के पावन पर्व पर 7 फरवरी को दोपहर 1.00 बजे एड्. वीरेंद्र जायस्वाल द्वारा लिखित ममतामई माँ रमा पुस्तक का विमोचन पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के हस्ते तथा सुनील भरने की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम राजेंद्र जैन व सुनील भरने ने माँ रमा के तैलचित्र को माल्यार्पण व पुष्प अर्पण कर नमन किया। एड्. वीरेंद्र जायस्वाल ने राजेंद्र जैन व सुनील भरने का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। राजेंद्र जैन द्वारा पुस्तक का विमोचन करने के पश्चात उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि माँ रमा त्याग की प्रतिमूर्ति थी, हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेना चाहिए। सुनील भरने ने अपने संबोधन में कहा कि अपने जीवनकाल में माँ रमा ने अभाव की जिंदगी यापन करते हुए दवाइयों व इलाज के अभाव में अपने 4 मासूम बच्चों की जिंदगी को खो दिया। लेकिन उन्होंने हर हाल में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का अपने जीवन के अंतिम सांस तक सहयोग किया। माँ रमा की जयंती पर उन्हें याद करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। सुनील भरने ने एड्. वीरेंद्र जायसवाल द्वारा ममतामई माँ रामा पुस्तक लिखने पर उनका अभिनंदन किया। प्रास्ताविक, संचालन व आभार प्रदर्शन पुस्तक के लेखक एड्. वीरेंद्र जायस्वाल ने किया। इस अवसर पर गोंदिया शहर के पत्रकारबंधु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

स्टार इंटरनेशनल स्कूल ने स्वर कोकिला सुश्री लता को दी श्रद्धांजलि

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शिक्षण संस्था द्वारा संचालित स्टार इंटरनेशनल स्कूल में सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर को शाला समन्वयक जगदीश अग्रवाल, मुख्याध्यापक स्टीफेन डेविड व विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी, उपस्थित विद्यार्थियों व पालकों द्वारा श्रद्धांजलि दी गई। भारतीय संगीत की सबसे प्रभावशाली और महान गायिका स्वरकोकिला लता मंगेशकर जी का निधन दिनांक 6 फरवरी 2022 को हो गया। शाला समन्यवक व मुख्याध्यापक द्वारा गायिका लता जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने पुष्प समर्पित किए।

महान गायिका लता जी का जन्म 28 सितंबर 1929 को मध्य प्रदेश के इंदौर में हुआ। उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर एक कुशल रंगमंचीय गायक थे। जब वे 5 साल की थी तब से संगीत सीखना शुरु किया। पिताजी की आकस्मिक मृत्यु के बाद लता जी को जीवन में काफी संघर्ष करना पड़ा था। लता जी अब तक 20 से अधिक भाषाओं में 30000 से अधिक गाने गा चुकी हैं। लता जी को सन 1974 में दुनिया सबसे अधिक गीत गाने का गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड मिला। लता जी को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, पद्म विभूषण तथा भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका पूनम शा ने किया। शाला की छात्रा सान्या कटरे एवं छात्र अन्वय लौटरे ने लता जी के गीत गाए। छात्रा अभिलाषा गुप्ता व दीया मिश्रा ने अपने भाषण में लता जी का संक्षिप्त परिचय दिया। छात्रा गार्गी कुलकर्णी ने सुंदर नृत्य प्रदर्शन किया। शिक्षण संस्था के सचिव राजेन्द्र जैन व संचालक निखिल जैन ने इस आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद दिया और कहा कि लता जी का जीवन और व्यवहार सभी के लिए अनुकरणीय है और स्वरों के रुप में उनकी पवित्र स्मृति सभी के मन में हमेशा रहेगी।

शासकीय कर्मचारियों को दी धमकी

बुलंद गोंदिया - रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले अंगूर बगीचा एकदंत कॉलोनी बोर्ड के समीप आरोपी द्वारा मुरुम का अवैध रुप से उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा था। जिस पर फरियादी मंडल अधिकारी मोरेश्वर कावडुजी मेश्राम द्वारा कार्रवाई किए जाने पर आरोपी द्वारा टिपर क्रमांक एमएच 35 एजे 3699 के चालक को कहा कि तुम गाड़ी लेकर जाओ मैं इनसे निपटता हूं। ऐसा बोलने के पश्चात उसी समय टिप्पर चालक घटनास्थल से टिप्पर लेकर फरार हो गया। आरोपी क्रमांक 1 व 3 द्वारा वाद-विवाद कर फरियादी पर दबाव बनाते हुए धमकी देते हुए शासकीय कार्य में बाधा निर्माण किया। उपरोक्त मुरुम 5 ब्रास जिसकी अंदाजन कीमत 27500 थी जो बिना मंजूरी के परिवहन किया जा रहा था। उपरोक्त मामले में फरियादी द्वारा आरोपी क्रमांक 1 से 2 व अन्य 5 से 6 आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। रामनगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 353, 187, 196, 143, 149, 379 तथा सहायक धारा 48 (7) महाराष्ट्र जमीन राजस्व अधिनियम 1966, सहायक धारा 21, 1, 2 महाराष्ट्र गौण खनिज अधिनियम 1957 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच सपोनि वसगडे द्वारा की जा रही है।

प्रदेशाध्यक्ष पाटील ने किया डॉ. फुके का सत्कार

बुलंद गोंदिया - हाल ही में जिले में हुए जिला परिषद एवं नगर पंचायतों के चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए सफलता प्राप्त करने पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटील ने गोंदिया-भंडारा विधान परिषद क्षेत्र के सदस्य एवं इस चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर डॉ. परिणय फुके का अभिनंदन करते हुए उनका सत्कार किया।

विधायक फुके का ये सत्कार आमगांव में आयोजित स्व. लक्ष्मणराव मानकर की जयंती समारोह में किया गया। इस अवसर पर चंद्रशेखर बावनकुले, जिला भाजपा अध्यक्ष केशवराव मानकर, श्रीकांत भारतीय, भाजपा के संगठन मंत्री उपेंद्र कोठेकर, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, भजनदास वैद्य, हेमंत पटले, भैरसिंह नागपुरे, संजय पुराम सहित पार्टी के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

२ दुपहिया की टक्कर महिला की मौत

बुलंद गोंदिया - डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले खजरी से परसोडी मार्ग पर आराध्या फैमिली रेस्टोरेंट के समीप कोहमारा की ओर आ रहे दुपहिया वाहन द्वारा विपरीत दिशा से आ रही दुपहिया वाहन को जबरदस्त टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में डव्वा निवासी महिला सयजा भैयालाल गुरनेले गंभीर रुप से जख्मी हो गई। जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना इस प्रकार है कि डव्वा निवासी फरियादी भैयालाल झीगर गुरनेले (63) के जवाई निकेश मोहन जेगटे (35) यह अपने दोपहिया वाहन क्रमांक एमएच 35 एपी 9389 से पत्नी सयजा भैयालाल और नीकेश के साथ डव्वा से अपने गांव की ओर डबल सीट जा रहा था। इसी दौरान खजरी से परसोडी मार्ग पर आराध्य फैमिली के समीप कोहमारा से आनेवाले दुपहिया वाहन क्रमांक एमएच 35 एएन 9648 के चालक ने लापरवाही पूर्ण तरीके से उनकी दुपहिया को सामने से जबरदस्त टक्कर मार दी। जिसमें फरियादी के जवाई व स्वयं तथा सयजा गुरनेले गंभीर रुप से जख्मी हो गए। जिसमें सयजा भैयालाल गुरनेले की मौत हो गई। उपरोक्त मामले में फरियादी की मौखिक शिकायत के आधार पर डुग्गीपार पुलिस थाने में धारा 279, 304अ, सहायक धारा 184 मोवाका के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच सफौ सादेकर द्वारा की जा रही है।

आवश्यकता हैं

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009

पर्यावरण विभाग की मिली हरी झंडी रेतीघाटों की होंगी निलामी

7 घाट आवास योजनाओं के लिए आरक्षित

बुलंद गोंदिया - पर्यावरण विभाग की मंजूरी नहीं मिलने के कारण जिले के रेतीघाटों की निलामी प्रक्रिया थम गई थी। किंतू अब पर्यावरण विभाग की रेतीघाटो को हरी झंडी मिल गई है। मंजूरी मिलते ही अब जिले के 18 रेतीघाटो की निलामी प्रक्रिया शुरु हो गई है। रेतीघाटों की निलामी प्रक्रिया से जिला प्रशासन की तिजोरी में राजस्व के रुप में करोडो रुपए जमा होंगे।

गोंदिया जिले में लगभग 31 रेती घाट है। इन रेतीघाटो की निलामी से जिला प्रशासन को करोडो रुपए का राजस्व मिलता है। लेकिन निलामी प्रक्रिया के लिए पर्यावरण विभाग की मंजूरी होना आवश्यक होता है। जिले से वैनगंगा नंदी, बाघनदी, पांगोली नदी, चूलबंद नदी, गाडवी नदी सहित अनेक छोटी नदियां प्रवाहित है। इन नदियों में रेतीघाट तैयार किए गए है। जहां से रेती का उत्खन्न कर करोडो रुपए का राजस्व जिला प्रशासन को प्राप्त होता है। लेकिन रेतीघाटो की निलामी नहीं होने के कारण रेतीघाट बंद थे। बावजूद इन रेतीघाटो से अवैध रुप से रेती का उत्खन्न कर पर्यावरण के साथ जिला प्रशासन के राजस्व को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। प्रशासन ने इन घाटो की निलामी के लिए पर्यावरण विभाग को पत्र लिखकर मंजूरी मांगी थी। किंतू समय पर मंजूरी नहीं मिलने के कारण रेतीघाटो की निलामी प्रक्रिया थम गई थी। आखिरकार पर्यावरण विभाग ने जिले के 31 रेतीघाटो को हरी झंडी दे दी है। मंजूरी मिलते ही जिला प्रशासन ने रेतीघाटो की निलामी प्रक्रिया शुरु कर दी है। जल्द ही रेतीघाटो की निलामी होंगी। इस तरह की जानकारी जिला खनिकर्म विभाग की ओर से दी गई है।

इन घाटो की होंगी निलामी

जिले के 18 रेतीघाटो की निलामी प्रक्रिया शुरु हो चुकी है। जिसमें गोंदिया तहसील के पुजारीटोला, तेढवा, बनाथर, महालगांव, साईटोला, देवरी, बिरसोला, तिरोडा तहसील के बिरोली, पिपरिया, मांडवी, घाटकुरोडा, सडक अर्जुनी तहसील के सावंगी-2, सावंगी 1, सौंदड, पिपरी-2, पडसगांव राका, आमगाव तहसील के मानेकसा व अर्जुनी मोरगाव तहसील के बडगाव बंध्या रेतीघाटो का समावेश है।

निलामी प्रक्रिया शुरु

जिले के 31 रेतीघाटो को पर्यावरण विभाग की ओर से मंजूरी मिल चुकी है। 31 रेतीघाटो में से 7 रेतीघाट आवास योजनाओं के लिए आरक्षित रखे गए है। वहीं पहले से ही 6 घाटो की निलामी हो चुकी है। अब शेष बचे 18 रेतीघाटो की निलामी प्रक्रिया को शुरुवात हो चुकी है। इन रेतीघाटो से जिला प्रशासन को करोडा रुपए का राजस्व प्राप्त होगा।

- सचिन वाढवे
जिला खनिकर्म अधिकारी, गोंदिया

धान खरीदी केंद्र संचालक की लापरवाही से किसान को नहीं मिली धान बिक्री की राशि

बुलंद गोंदिया - धान खरीदी केंद्र संचालक की लापरवाही कहे या अनदेखी, धान बिक्री की राशि किसान को नहीं मिलने के कारण किसान का परिवार आर्थिक संकट में आ गया है। बताया गया है कि तिरोड़ा तहसील के वड़ेगांव धान खरीदी केंद्र में सर्रा निवासी अशोक रुपचंद येड़े व अंतकला येड़े नामक किसान ने दिसंबर 2021 में धान की बिक्री की थी। लेकिन गलत बैंक खाते की जानकारी देने के कारण धान बिक्री की राशि अब तक उन्हें नहीं मिल पाई है। इस संदर्भ में पीड़ित किसान अंतकला येड़े व अशोक रुपचंद येड़े ने जानकारी देते हुए बताया कि नेहरु भात गिरणी वड़ेगांव को धान खरीदी केंद्र मंजूर हुआ। इस केंद्र के माध्यम से 33 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। खरीदी करने के बाद 15 दिनों में धान की राशि किसानों के खातों में जिला पणन कार्यालय की ओर से जमा की जाती है। मांगे गए दस्तावेज धान खरीदी केंद्र संचालक को प्रस्तुत किए गए हैं। किंतु लापरवाही तथा जानबुझकर धान खरीदी केंद्र संचालक द्वारा बैंक खाते का गलत नंबर देकर धान बिक्री राशि से वंचित किया गया है। इस संदर्भ में अनेकों बार संचालक से जवाब मांगा गया तो, कहा गया कि अब हम कुछ नहीं कर सकते। अब सवाल निर्माण यह हो गया है कि पीड़ित किसान को धान बिक्री की राशि मिलेगी या नहीं?

संगणक चालक की गलती

उपरोक्त किसानों का धान खरीदा गया। लेकिन संगणक चालक की गलती से बैंक खाते का गलत नंबर चला गया। जिसकी वजह से धान बिक्री की राशि जमा नहीं हो सकी। इस संदर्भ में 7 फरवरी को संचालक मंडल की सभा रखी गई है।

- पुरण टेंभरे, संस्था सचिव, वड़ेगांव

कंज्युमर कोर्ट से लगाई न्याय की गुहार

दिसंबर 2021 में उपरोक्त धान खरीदी केंद्र संचालकों द्वारा धान खरीदा गया। किंतु जानबुझकर गलत खाता नंबर देकर धान बिक्री की राशि से वंचित रखने का काम किया गया है। राशि नहीं मिलने के कारण आर्थिक संकट आन पड़ा है। शारीरिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। फिर भी धान खरीदी केंद्र संचालक द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसलिए अब न्याय की गुहार कंज्युमर कोर्ट से लगाई है।

- अशोक रुपचंद येड़े, पीड़ित किसान, सर्रा

एक सुरीले युग का अंत

भारत रत्न स्वर कोकिला लता दीदी मंगेशकर के आकस्मिक जाने से निशब्द हो गया हूँ। वह हमेशा मेरी आदर्श रही है। उनके गीतों को सुन-सुनकर मुझे हमेशा नया सीखने को सौभाग्य प्राप्त हुआ है तथा मैं बहुत ही खुशनसीब हूँ कि जिस युग में लता दीदी हुई उस युग को मैंने देखा है। उनके चरणों में मेरा कोटि-कोटि नमन

- धर्मेश दीप, गोंदिया

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती उत्सव समिती की कार्यकारिणी का गठन

बुलंद गोंदिया - विश्वभुषन, भारतरत्न प.पु.डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती उत्सव समिती गोंदिया के वर्ष 2022 की कार्यकारिणी के गठन हेतु स्थानीय विश्रामगृह मे समिती के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र वैद्य की अध्यक्षता में एवंम निवर्तमान अध्यक्ष अमित भालेराव, विलास राऊत, पुर्व अध्यक्ष, धिरज मेश्राम, निलेश देशभ्रतार, प्रदिप ठवरे, प्रफुल भालेराव के प्रमुख मार्गदर्शन में संपन्न होकर वर्ष 2022 में जयंती उत्सव भव्य रुप से मनाए जाने का निश्चय किया गया। जहा विविधतापूर्ण कार्यक्रमों के साथ ही डॉ. बाबासाहेब की जयंती की पुर्व संध्या पर 14 अप्रैल को भव्य प्रबोधनात्मक सभा का आयोजन किया गया हैं। जिसमें राज्य सभा सासंद डॉ. मनोज झा तथा प्रसिद्ध समाजसेविका सिने अभिनेत्री स्वरा भास्कर इन्हे आमंत्रित किया गया है। इस सभा में नई कार्यकारिणी का निम्नानुसार गठन किया गया हैं।

डॉ. राजेंद्र वैद्य (अध्यक्ष), अमर राहुल (कार्याध्यक्ष), नागरत्न बंसोड़ (महासचिव), शैलेश टेभेंकर (महासचिव), मयुर मेश्राम, अमर रंगारी, दिपेंद्र वासनिक, श्याम चौरे, सुनिल आवड़े एवं प्रतिक भालेराव (उपाध्यक्ष), भूपेंद्र वैद्य, सुनिल मेश्राम, जितेंद्र सतिसेवक, अनिल डोंगरे, रवि भालाधरे, हर्षवर्धन मेश्राम तथा प्रविण बोरकर (सचिव), कृष्णा कठाणे (कोषाध्यक्ष), राहुल बंसोड़, अरविंद नागदेवे (लेखापाल) तथा नियंत्रण समिती में किशोर भालेराव, मिलिंद गनवीर, लक्ष्मीकांत डहाट, देवा रुसे, सुशिल ठवरे, हर्ष रंगारी, यशपाल डोंगरे का समावेश किया गया। युवा संयोजन समिती में वेदांत गजभिए, प्रतिक बंसोड़, आकाश ईदुरकर, अंशुल, रोहन रंगारी, नागो बंसोड़. महिला संयोजिका रितु वासनिक और छात्र संयोजक समिती में रोहित वैद्य, विशाल वाहने, जयेश जांभुलकर, दर्पण वानखेड़े, विवेक बागड़े तथा अक्षय वासनिक को शामिल किया गया हैं। इसी प्रकार बंसत गनवीर, आकाश वालदे, महेश ठवरे, योगेश राऊत और सतिष पारधी प्रचार-प्रसार समिती के प्रमुख होंगे।

सभा का प्रस्ताविक अमित भालेराव, संचालन धिरज मेश्राम और नागरत्न बंसोड़ ने आभार माना।

१४ वर्षों से फरार आरोपी को गोंदिया आरपीएफ ने धर दबोचा

विभिन्न रेलवे थाना अंतर्गत अनेक मामले थे दर्ज

बुलंद गोंदिया - रेलवे संपत्ति चोरी के अनेक मामले रेलवे सुरक्षा बल के विभिन्न थाना अंतर्गत दर्ज व 14 वर्षों से न्यायालय द्वारा फरार आरोपी उड़ीसा के सुंदरगढ़ निवासी रंजीत मगधा को गोंदिया रेलवे सुरक्षा बल द्वारा उड़ीसा में धरदबोचा गया।

गौरतलब है कि उड़ीसा राज्य के जिला सुंदरगढ़ निवासी आरोपी रंजीत मगधा पर आरपीएफ पोस्ट गोंदिया में अपराध क्रमांक 1/2009 रेलवे संपत्ति पर अवैध कब्जा अधिनियम की धारा 3 के तहत लोहा चोरी का मामला दर्ज था। इसके साथ ही आरोपी के खिलाफ भाटापारा में 4 मामले, रायगढ़ में 6 मामले, चांपा में दर्ज 1 मामले में न्यायालय में मामला चल रहा था। जिसमें आरोपी 14 वर्षों से फरार था। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त नागपुर पंकज चुघ, सहायक सुरक्षा आयुक्त एस.डी. देशपांडे के मार्गदर्शन में गोंदिया रेलवे सुरक्षा

बल के प्रभारी नंद बहादुर के नेतृत्व में मंडल टास्क टीम के उप निरीक्षक सी.के.पी. टेंभूरनीकर, उप निरीक्षक मयंक मिश्रा, आरक्षक नासिर खान, प्रधान आरक्षक राजेंद्र रायकवार, आरक्षक पी. दलाई, एन. एस. बघेल की एक संयुक्त टीम का गठन कर न्यायालय द्वारा जारी किए गए वारंट की तामिल करने हेतु उड़ीसा रवाना किया गया। उड़ीसा राज्य के सुंदरगढ़ जिले के जैरायबाग ग्राम में जाकर आरोपी की खोजबीन की गयी। लेकिन हमेशा की तरह वह अपने पते से फरार हो गया था। जिस पर टीम द्वारा कड़ा परिश्रम करते हुए गुप्त सूचनाओं के आधार पर उसके गृह ग्राम से करीबन 35 किलोमीटर दूर जंगल क्षेत्र में लेफीपारा ग्राम में दबिश देकर गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में गोंदिया आरपीएफ द्वारा कड़ा परिश्रम करते हुए तथा अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए 2 राज्यों से कई मामलों में जिससे नागपुर अदालत, रायपुर अदालत, बिलासपुर अदालत में लंबे समय से वांछित उक्त आरोपी को पकड़ते हुए वारंट तामील करने का सराहनीय कार्य किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपी को रेलवे द्वारा न्यायालय नागपुर में पेश किया गया।

तेंदुए ने पेड़ से चलती दुपहिया पर लगाई छलांग

पति-पत्नी गंभीर रुप से जख्मी

बुलंद संवाददाता, अर्जुनी मोर - अर्जुनी मोरगांव भोदरा मार्ग पर 6 फरवरी की सुबह 10 बजे के दौरान दुपहिया से जा रहे पति-पत्नी पर पेड़ से तेंदुए ने छलांग लगा दी। इस घटना में पति-पत्नी गंभीर रुप से जख्मी हो गए।

गौरतलब है कि अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आनेवाले ग्राम बोदरा निवासी अरुण काड़सर्पे व उसकी पत्नी प्रतिमा काड़सर्पे 6 फरवरी की सुबह 10 बजे के दौरान दुपहिया वाहन से ग्राम बोदरा से अर्जुनी मोरगांव जंगल परिसर होते हुए साकोली की ओर जा रहे थे। इस दौरान मार्ग में जंगल परिसर होने से परिसर में हिंसक वन्यजीव विचरण करते हैं। जंगल परिसर में एक तेंदुआ वानर का शिकार करने के लिए पेड़ पर चढ़ा था। इसी दौरान जंगल परिसर के रास्ते से अरुण काड़सर्पे व उसकी पत्नी दुपहिया वाहन से जा रहे थे। जिन पर पेड़ से ही दुपहिया वाहन पर तेंदुए द्वारा छलांग लगा दी। जिससे वे दुपहिया वाहन से गिर पड़े व गंभीर रुप से जख्मी हो गए। उक्त घटना जंगल परिसर में काम करनेवाले ग्रामीणों को दिखाई देने पर वे घटनास्थल पर तत्काल पहुंचे। जिससे तेंदुआ घटनास्थल से भाग गया, नहीं तो एक बड़ी घटना घटित हो जाती। गंभीर रुप से जख्मी पति-पत्नी को अर्जुनी मोरगांव के ग्रामीण चिकित्सालय में उपचार के लिए भेजा गया। घटना की जानकारी वन विभाग को दी गई। जिस पर वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा चिकित्सालय में जख्मी पति-पत्नी से भेंट की व बयान लेकर पंचनामा किया। उल्लेखनीय है कि बोदरा-देउलगांव परिसर में वर्तमान समय में तेंदुए की भारी दहशत चल रही है। जिससे रात हो या दिन तेंदुए के दर्शन हो रहे हैं। जिससे परिसर के नागरिकों में भय का वातावरण निर्माण हो गया है।

शिक्षा महर्षि स्व.मनोहरभाई पटेल की ११६ वीं जयंती विशेष

9 फरवरी का दिवस, गोंदिया और भंडारा जिले के वासीयों के लिए एक ऐतिहासिक दिन के रुप में जाना जाता है। इस दिन उस महान आत्मा ने जन्म लिया था जिसने खुद के हौसलों से शिक्षा का अलख जगाकर उसकी रोशनी को दूर-दूर तक फैलाने का कार्य किया। उस महान आत्मा ने इस पिछड़े, दुर्गम और शिक्षा से कोसो दूर अविकसित जिले में शिक्षा की क्रांति लायी, शिक्षण संस्था की बुनियाद रखकर स्कूलों-कॉलेजों की स्थापना की, शिक्षा का संचार किया। आज उसी का परिणाम है कि उस महान आत्मा जिसे स्वनामधन्य, शिक्षा महर्षि और कर्मयोगी कहा जाता है। उसके संकल्प से भंडारा-गोंदिया जिले में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्रायें देश का भविष्य बनने के साथ-साथ विदेशों में भी अपनी शिक्षा की आभा बिखेर रहे हैं।

शिक्षा का मलाल उन्हें ता उम्र रहा

इस तस्वीर को साकार करनेवाले वह महान आत्मा स्व. मनोहरभाई पटेल थे, जिन्होंने गरीबी और माली हालत में गुजर-बसर कर वो दिन भी कांटे जो दिन भगवान किसी भी व्यक्ति को ना दिखायें। परिवार की निर्धनता के कारण स्व. मनोहरभाई पटेल शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाएं। इसका मलाल उन्हें ताउम्र रहा। मनोहरभाई पटेल ये नहीं चाहते थे कि हमारे देश का भविष्य, बिना शिक्षा के ऐसा अंधकारमय हो। उन्होंने हर युवा के उज्जवल भविष्य के लिए शिक्षा की शुरुआत भंडारा और गोंदिया जिले से की। मनोहरभाई पटेल की दृढ़ बुनियाद पर टिकी गोंदिया शिक्षण संस्था आज शिक्षा का वो पेड़ बन चुकी है, जिसकी टहनियों की छांव में 1 लाख से अधिक बच्चे शिक्षा ग्रहण कर डॉक्टर, इंजिनियर, मेकेनिकल, सायटवेयर इंजिनियर तथा नौकरीपेशा, उद्योगपती, सफल कारोबारी एवं सफल एग्रीकल्चर विशेषज्ञ बन रहे हैं। इन शिक्षा मंदिरों के माध्यम से हजारों लोग शिक्षक बनकर रोजगार प्राप्त कर रहे और खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहे है।

गोंदिया-भंडारा समेत विदर्भ का नाम रोशन किया

स्व. मनोहरभाई पटेल ने सदैव इस क्षेत्र के लिए अपनत्व की भावना अपनाई। उनकी क्रांतिकारी सोच और देश के लिए समर्पित भावना को देखकर उनकी पैंठ और पहचान देश के बड़े-बड़े राजनेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, समाज सुधारकों, संतो और क्रांतीकारियों से भी रही। उन्होंने उस दौर सन 1958 में, जब शिक्षा का ग्राफ एकदम गिरा हुआ था उस समय शिक्षा, रोजगार के संसाधन स्थापित कर देश में गोंदिया-भंडारा सहित विदर्भ का नाम रोशन किया। कहा जाता है कि जिस समय देश के बड़े-बड़े शहरों में सिमेंट रोड नहीं हुआ करती थी, उस दौर में सिमेंट सड़कों का निर्माण मनोहरभाई पटेल ने अपने इस पिछड़े जिलों में करवाकर विकास का पायदान मजबूत किया था।

बड़े-बड़े जलाशय मनोहरभाई की देन

मनोहरभाई पटेल ने शिक्षा के साथ-साथ इस क्षेत्र के किसानों को अत्यधिक फसल उत्पादक बनाने के लिए मनोहर सागर, कालीसरार, पुजारीटोला एवं कई ऐसे छोटे-बड़े प्रकल्प, मामा तालाब का निर्माण करवाया था जो आज भी जिले के खेतीहरों के लिए वरदान साबित हो रहे है। कर्मयोगी मनोहरभाई पटेल आत्मीय शक्ति को समझने वाले संत विचारक भी थे। उनकी संत-महात्माओं में भी विलक्षण आस्था थी। मनोहरभाई पटेल के राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज से निकटता साफ देखी गई। उनके 50 वें जन्मदिवस पर राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज ने उन्हें काव्यमय संदेश भेजकर उनकी कार्यशैली को सराहा था।

मनोहरभाई पटेल के सपनों को गतिशील बनाया प्रफुल पटेल ने

मनोहरभाई पटेल ने जिस छोटी-सी आभा के साथ शिक्षा की रोशनाई यहां बिखेरी थी, आज उसी रोशनी को जमाने में फैलाने के लिए उनके पुत्र प्रफुल पटेल अपने पिता के सपनों को साकार करने के लिए हरसंभव निरंतर प्रयास कर रहे है। मनोहरभाई पटेल अकादमी के माध्यम से सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक, क्रिडांगण, कृषि, आरोग्य, सहायता आदि-आदि कार्यक्रमों के माध्यम से अनेक ऐसे कार्यक्रम साकार कर चुके है जिसका लोहा भंडारा, गोंदिया के अलावा पूर्वी विदर्भ मान चुका है। प्रफुल पटेल ने अपने पिता युगपुरुष, कर्मयोगी एवं शिक्षा महर्षि मनोहरभाई पटेल के उस सपने को इतना गतिशील बनाया है कि आज उस गोंदिया शिक्षण संस्था के माध्यम से लाखों बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे है और देश विदेश में नौकरी पाकर रोजगार पा रहे है।

होनहार छात्रों को स्वर्ण पदक

शिक्षा क्षेत्र में होशियार बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए, शिक्षा के स्तर को और ऊपर उठाने के लिए प्रफुल पटेल प्रत्येक वर्ष 9 फरवरी को अपने पिता के जन्मदिवस के अवसर पर उनके यादों को और हौसलों को ताजा करने के लिए मेधावी छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित करते आ रहे है। इतना ही नहीं हर बार किसी महान विभूति, कलाकार, समाजसेवी, देश के जाने-माने जानकार, विशेषज्ञ, पत्रकार, उद्योगपती, देश के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केन्द्रिय मंत्री, मुख्यमंत्री आदि मान्यवरों के हस्ते होनहार छात्रों को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित करने आ रहे है। ये एक अभूतिक एहसास है उस छात्र के लिए, छात्रा के लिए या उस पुरस्कार प्राप्त प्रत्येक व्यक्ति के लिए, जब वे किसी महान अतिथी के हाथों सम्मानित होकर स्वयं को गौरान्वित महसूस करते है। आज यही कारण है कि ऐसी सम्मानता के कारण ही शिक्षा का स्तर यहां बढ़ रहा है, प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है और बच्चे उच्च शिक्षा ग्रहण कर अपने भंडारा-गोंदिया जिले की ख्याति अर्जित कर रहे है।

मैं उस महान आत्मा के चरणों में शत्-शत् नमन करता हूं और गर्व महसूस करता हूं कि आज हमारे जिले का जो शैक्षणिक विकास हो रहा है वह सिर्फ और सिर्फ कर्मयोगी मनोहरभाई पटेल के उस हौसलों की उड़ान के कारण ही है जिनकी वजह से अनेकों लोगों को उनकी मंजिल मिल गई है।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।